कक्षा - IX / आदर्श प्रश्न-पत्र

समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

D. K. Srivastava
25.08.2014.

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।** 1x5=5

आत्मनिर्भरता का अर्थ है - अपने पैरों पर खड़े होकर अपने समाज की तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति समाज तथा राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का मंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है। वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है। जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा उसमें आत्मनिर्भरता होगी तो ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह कर न सके। स्वावलंबी मनुष्य दृढ़ विश्वास एवं अपने आत्मबल से सभी कार्य पूरे कर लेता है। कभी भी असफलता का मुहँ नहीं देखता। हर क्षेत्र में सफल होता जाता है। अपने पर विश्वास न रखने वाला जीवन में कुछ भी नहीं कर सकता। मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन न होना है, और सबसे बड़ा गुण आत्मनिर्भर होना है। यदि हमें स्वयं को सुधारना है, तो किसी के भरोसे नहीं रहना चाहिए, सारे काम स्वयं करने चाहिए

(1) सफलता-प्राप्ति हेतु मनुष्य को बनना चाहिए :
(क) परावलंबी (ख) स्वावलंबी
(ग) बलहीन (घ) ईश्वरावलंबी

(2) स्वावलंबी मनुष्य में होना अनिवार्य है :
(क) कार्य-कुशलता का (ख) दृढ़ विश्वास का
(ग) आत्मबल का (घ) दृढ़ विश्वास एवं आत्मबल दोनों का

(3) आत्मनिर्भरता की अनिवार्य आवश्यकता है :
(क) राष्ट्र, समाज तथा अपनी ज़रूरतों को स्वयं तत्परता से पूरा कर लेना।
(ख) सभी आवश्यकताओं की सूची बनाकर धीरे-धीरे काम करना।
(ग) सामने आने वाली समस्याओं को निपटाते जाना।
(घ) राष्ट्र, समाज की परवाह न करके अपनी परवाह करना।

(4) स्वावलंबी शब्द में उपसर्ग, मूल शब्द व प्रत्यय है :
(क) स्वा + वलंबी (ख) सु + अवलंबी
(ग) स्वा + वलंब + ई (घ) स्व + अवलंब + ई

(5) स्वावलंबन इष्टदेव और आभूषण है :

(क) सुखभोगियों का। (ख) कायरों का।

(ग) बुद्धिमानों का। (घ) वीरों और कर्मयोगियों का।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।** 1x5=5

मौसम में बदलाव व भीषण बीमारियों के फैलने से वैज्ञानिकों ने चिंतित होकर खोज की तो उन्होंने प्रदूषण को इसका एकमात्र कारण पाया। यह समस्या विश्वव्यापी है। कल कारखानों के कारण व बढ़ते तेज़ वाहनों के कारण प्रदूषण की मात्रा अधिक हो गई है। सभी देश मिल जुलकर जल्दी से जल्दी प्रदूषण को रोकने का प्रयत्न करने में लगे हं । परन्तु बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण पाने का यह अर्थ कदापि नहीं है कि हम कल कारखानों को बंद कर दें, यातायात के साधनों का प्रयोग न करें और फिर से पाषाण-युग में लौट जाएँ, और विज्ञान की उन्नति व प्रौद्योगिकी को ताक पर रख दें। समस्या का हल विकास को रोकने में नहीं अपितु युक्तिसंगत हल खोजने में है। प्रकृति से तालमेल बनाएँ, उसे हरा-भरा बनाएँ, तथा प्रकृति के भंडार को भरा रखने की कोशिश करें। पर्यावरण हमारा पालनकर्त्ता व जीवनाधार है। पेड़-पौधे व जानवर हमारे मित्र हैं। पार्क, बाग-बगीचे शहर के फेंफड़े हैं। प्रदूषण रोकने में जनता के भरपूर सहयोग की आवश्यकता हैं। गंदगी न फैलाएँ जहाँ गंदगी हो उसे साफ करने में सहयोग दें। अधिकाधिक वृक्ष लगाएँ।

(1) प्रदूषण रोकने में मानव सहयोग दे सकता ह :

(क) गंदगी न फैलाकर एवं फैली गंदगी को साफ करके।

(ख) अधिकाधिक वृक्ष लगाकर।

(ग) कारखानों को बंद करके।

(घ) अधिकाधिक वृक्षारोपण, गंदगी न होने देकर तथा उसे साफ करके।

(2) उत्तम पर्यावरण हमारे लिए है :

(क) एक रक्षा कवच।

(ख) हमारे चारों तरफ विकसित पार्क, हरियाली आदि।

(ग) हमारे जीवन की आवश्यकता और विवशता।

(घ) पालनकर्त्ता, जीवनाधार और रक्षाकवच।

(3) वैज्ञानिकों की खोज़ों से ज्ञात हुआ है कि प्रदूषण ही एक कारण है :

(क) ऋतुओं के चक्र में परिवर्तन का।

(ख) जीवन के सुख-भोग संबंधी साधनों के अभावों का।

(ग) मौसम के बदलाव और भयंकर बीमारियों के प्रकोप का।

(घ) मानव की ऊर्जा संबंधी प्रयोगों की असफलता का।

(4) "बाग-बगीचे" में समास है :

(क) द्विगु समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) कर्मधारय समास (घ) द्वंद्व समास

(5) प्रदूषण रोकने में मानव के कर्त्तव्य हैं :

(क) प्रकृति से ताल-मेल बनाना तथा उसे हरा-भरा बनाना।

(ख) पेड़ों को काटकर कारखाने लगाना।

(ग) प्रकृति का भंडार भरा रखने की कोशिश करना।

(घ) प्रकृति के साथ खिलवाड़ न करके हरा-भरा बनाना तथा उसके भंडार को अक्षुण्ण रखना।

3. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए – 1x5=5

हम जंग न होने देंगे।
विश्व शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे।
कभी न खेतों में फिर खूनी खाद डलेगी,
खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी
आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा,
एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी,
युद्ध विहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।
जंग न होने दंगे।
हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा
कफन बेचनेवालों से कह दो चिल्लाकर
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा
कामयाब हों उनकी चालें-ढंग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।

(i) कवि जंग नहीं होने देना चाहता है क्योंकि :
(क) युद्ध विनाशकारी होता हैं। (ख) कवि शांति का साधक है।
(ग) युद्ध से खून-खराबा होता हैं। (घ) युद्ध से भयानक रोग फैलते हैं।

(ii) 'खूनी खाद' से कवि का क्या आशय है?
(क) खून वाली खाद।
(ख) पशुओं के खून वाली खाद।
(ग) युद्ध के कारण भूमि या खेतों में खून खराबा होना।
(घ) युद्ध वाली खेती।

(iii) 'अंगारे उगलना ' से क्या तात्पर्य है?
(क) क्रोध करना। (ख) खरी-खोटी सुनाना।
(ग) घातक हथियारों द्वारा आग बरसाना। (घ) बमबारी।

(iv) 'मुँह में शांति, बगल में बम' किस मुहावरे का दूसरा रूप है?
(क) मुँह पर शांति, बगल में भ्रांति। (ख) मुँह में राम, बगल में छुरी।
(ग) मुँह में राम - राम। (घ) मुँह से बक-बक करना।

(v) ''कफन बेचनेवालों'' शब्द का आशय है –
(क) जिनकी दुकान पर मुर्दों के लिए कफन मिलता है।
(ख) जो गाँव-गाँव घूमकर कफन बेचने का काम करते हैं।
(ग) जो कफन के लिए कपड़ा बुनते हैं और बेचते हैं।
(घ) युद्ध करके अशांति फैलाने वाले देश या लोग।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्पों का चयन करके उत्तर लिखिए – 1x5=5

सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान
जगती के मन-मन को खींच-खींच

निज छवि के रस से सींच-सींच
जल कन्याएँ भोली अजान,
सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान।
प्रातः समीर से हो अधीर
छूकर पल-पल उल्लसित तीर
कुसुमावलि-सी पुलकित महान,
सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान।
संध्या से पाकर रुचिर रंग
करती-सी शत सुर चाप भंग
हिलती नव तरु दल के समान
सागर के उर पर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान।

(i) लहरें सागर के हृदय पर नाच रही हैं क्योंकि वे, -
(क) चंचल हैं। (ख) हिल रही हैं।
(ग) सागर की बेटियाँ हैं। (घ) सागर में ही बनती और क्रीड़ा करती हैं।

(ii) 'प्रातः समीर से हो अधीर' पंक्ति का आशय है कि लहरें,-
(क) सुबह की हवा से बेचैन होती हैं।
(ख) सुबह-सुबह हवा के स्पर्श से चंचल हो उठती हैं।
(ग) हवा से गतिशील हो उठती हैं।
(घ) सुबह के प्रकाश से बेचैन होती हैं।

(iii) लहरों की तुलना कुसुमावलि से की गई है क्योंकि , -
(क) वे फूलों जैसी खिली होती हैं।
(ख) क्रम से आती अनंत लहरों के झाग फूलमाला जैसे लगते हैं।
(ग) वे फूलों की माला पहनती हैं।
(घ) वहाँ फूल फैले हुए हैं।

(iv) 'सुर-चाप' शब्द का अर्थ है -
(क) देवताओं का धनुष। (ख) देवता धनुष लिए।
(ग) इंद्र-धनुष। (घ) देवराज इंद्र का कोई विशाल धनुष।

(v) '' करती-सी शत सुर चाप भंग'' में अलंकार है -
(क) रूपक अलंकार (ख) श्लेष अलंकार
(ग) यमक अलंकार (घ) अनुप्रास अलंकार

खण्ड - ख

5. (i) उपसर्ग और मूलशब्द अलग कीजिए — ''औगुन'' 1x4=4
(ii) 'सह' उपसर्ग लगाकर दो शब्द लिखिए।
(iii) मूलशब्द और प्रत्यय अलग कीजिए —गवैया
(iv) 'आव' प्रत्यय लगाकर दो शब्द लिखिए।

6. (i) 'घोड़े पर सवार' - समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। 1x4=4

(ii) 'नीलगगन' - समास विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए।

(iii) भाववाचक संज्ञा बनाइए - सुंदर, हँसना

(iv) 'आजकल सोना बहुत महँगा है।' - रेखांकित का संज्ञा भेद बताइए।

7. **अनिश्चवाचक सर्वनाम से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :**

(क) लगता है कि उनका _____ खो गया है। 1

(ख) रेखांकित पद का भेद लिखिए। 1

यह कितनी उपयोगी चीज़ है।

(ग) 'यह लड़का बड़ा शर्मीला है।' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण को बहुवचन में बदलकर वाक्य बनाकर प्रयोग कीजिए। 1

(घ) 'ठिगना' विशेषण को स्त्रीलिंग के रूप में बदलकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

8. (क)'ने' परसर्ग का प्रयोग करते हुए वाक्यों को पुनः लिखिए- 2

(i) उससे गाड़ी छूट गई।

(ii) प्रेरणा पढ़ चुकी है।

(ख) विलोम शब्द लिखिए- 2

(i) उन्नति (ii) दोषी (iii) ज्ञानी (iv) निरक्षर

9. (क) दो-दो पर्यायवाची लिखिए — 2

(i) समुद्र (ii) किनारा

(ख) वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट करें — 2

(i) अविलंब-अवलंब (ii) लक्ष्य-लक्ष

खण्ड - ग

10. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए तथा किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।** 1x5=5

उस समय यह देखा मैंने कि सांप्रदायिकता नहीं थी। जो अवध की लड़कियाँ थीं, वे आपस में अवधी बोलती थीं; बुंदेलखंड की आती थीं, वे बुंदेली में बोलती थीं। कोई अंतर नहीं आता था और हम पढ़त हिंदी थे। उर्दू भी हमको पढ़ाई जाती थी, परंतु आपस में हम अपनी भाषा में ही बोलती थीं। यह बहुत बड़ी बात थी। हम एक मेस में खाते थे, एक प्रार्थना में खड़े होते थे; कोई विवाद नहीं होता था।

मैं जब विद्यापीठ आई, तब तक मेरे बचपन का वही क्रम चला जो आज तक चलता आ रहा है। कभी-कभी बचपन के संस्कार ऐसे होते हैं कि हम बड़े हो जाते हैं, तब तक चलते हैं।

(I) लेखिका को कहाँ सांप्रदायिकता देखने को नहीं मिली ?

(क) अपने घर में (ख) क्रास्थवेस्ट गर्ल्स कॉलेज में

(ग) मिशन स्कूल में (घ) सहेली के घर में

(II) लेखिका ने बड़ी बात किसे कहा है?

(क) अवध की लड़कियों के अवधी बोलने को।

(ख) बुंदेलखंड की लड़कियों के बुंदेली बोलने को।

(ग) सबके द्वारा हिंदी और उर्दू बोलने को।

(घ) सभी लड़कियों द्वारा अपनी-अपनी भाषा बोलने को।

(III) भिन्न-भिन्न भाषी होने पर भी स्कूल में झगड़ा क्यों नहीं होता था?

(क) स्कूल में बहुत सख्ती थी।

(ख) बच्चों को कठोर दंड का भय रहता था।

(ग) परस्पर स्नेह के कारण कोई विवाद नहीं था।

(घ) किसी को झगड़ा नहीं करना आता था।

(IV) बचपन के संस्कारों की क्या विशेषता होती है?

(क) हम बड़े होकर भूल जाते हैं।

(ख) हम बचपन में ही अच्छे रहते हैं, बाद में हवा लग जाती है।

(ग) सारे जीवन उन संस्कारों को लेकर चलते हैं।

(घ) संस्कार हम पर कोई प्रभाव नहीं डालते।

(V) गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम है, —

(क) ''मैना को भस्म कर दिया गया'' - मृदुला देवी गर्ग

(ख) 'मेरे बचपन के दिन' - महादेवी वर्मा

(ग) 'प्रेमचंद के फटे जूते' - हरीशंकर परसाई

(घ) 'मेरे छात्रावास के दिन' - रामकिशोरी

अथवा

''जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता रहता है, तब मैं यह सोच ही नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन-सा मूल्य आविष्कार किया है, इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है, उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है।'' इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है, जो मनुष्य, मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता।

(I) प्रस्तुत गद्यांश में 'मैं' शब्द किसके लिए आया है?

(क) लेखक के लिए। (ख) गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के लिए।

(ग) क्षितिमोहन सेन के लिए। (घ) सच्चे मानव के लिए।

(II) लेखक अपने मन में क्या विचार कर रहे थे? 1

(क) मनुष्य कुत्ते को आसानी से समझ लेते हैं।

(ख) कुत्ता कितनी आसानी से मनुष्य को समझ लेता है।

(ग) कुत्ता अपनी दीनता प्रकट करता है।

(घ) गुरुदेव लेखक से कितना प्रेम प्रकट कर रहे हैं।

(III) कुत्ते की मूक दृष्टि लेखक को मनुष्य का कैसा परिचय देती है? 1

(क) सच्चा परिचय (ख) कच्चा परिचय

(ग) झूठा परिचय (घ) आत्म-परिचय

(IV) कुत्ता अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन-सा मूल्य आविष्कार करता है? 1

(क) शिष्य भक्ति का (ख) गुरु भक्ति का

(ग) स्वामि भक्ति का (घ) मित्र-भक्ति का

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2x5=10

(क) मेघों के आने पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए?

(ख) हरे चने के पौधे के रूप-सौंन्दर्य का वर्णन कीजिए। 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) बच्चों का काम पर जाना कवि को एक हादसा क्यों लगता है? आप कवि के इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं।

(घ) 'यमराज की दिशा' कविता में कवि ने यमराज के सभी -दिशाओं में ''आलीशान महल'' तथा उनमें उनके ''दहकती आँखों से विराजने'' की बात क्यों कही है?

(ङ) ''चंद्रगहना से लौटती बेर'' कविता में वर्णित अलसी के मनोभावों का वर्णन कीजिए।

14. सिद्ध कीजिए कि 'रीढ़ की हड्डी' हास्य-एकांकी है? 4

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह की प्रतिभा बहुमुखी थी - सिद्ध कीजिए।

15. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

(क) 'आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी' - इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) खूबसूरती के बारे में गोपाल प्रसाद की क्या राय है?

(ग) शमशेर बहादुर सिंह ने आरंभिक दौर में अपनी कविताएँ किस प्रेरणा से लिखीं?

(घ) 'माटी वाली' नामक कहानी का संदेश स्पष्ट कीजिए।

16. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) <u>बाल मज़दूरी :</u>

संकेत बिंदु :
- कारण,
- अशिक्षा,
- गरीबी, रोक के उपाय,
- मुफ्त शिक्षा का कानून,
- कड़ी सज़ा,
- तकनीकी शिक्षा,
- हुनर सिखाने के साधन,
- उपसंहार

अथवा

(V) "भाषाहीन" में समास है, — 1

(क) द्विगु समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) द्वंद्व समास (घ) बहुव्रीहि समास

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 2x5=10

(क) मैना के बारे में लेखक की क्या राय थी। "एक कुत्ता और एक मैना" पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) बेगम साहिबा ने अपने बच्चों और महादेवी जी को किस प्रकार मिलजुल कर रहने के संस्कार दिए? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) सेनापति 'हे' ने जनरल अउटरम से क्या प्रार्थना की? "नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया" पाठ के आधार पर लिखिए।

(घ) 'लेखक को फोटो में प्रेमचंद किस पर हँसते दिख रहे थे?' 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'गंदे से गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है' का आशय सप्रसंग स्पष्ट कीजिए।

12. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

मन होता है —
उड़ जाऊँ मैं
पर फैलाए सारस के संग
जहाँ जुगल जोड़ी रहती है
हरे खेत में,
सच्ची प्रेम-कहानी सुन लूँ
चुप्पे-चुप्पे।

(i) कवि का मन किसके साथ उड़ना चाहता था तथा वह उड़कर कहाँ जाना चाहता है? 2

(ii) कवि चुप्पे चुप्पे किसकी प्रेम कहानी सुनना चाहता है? 2

(iii) कवि ने सारस-युगल की प्रेम-कहानी को सच्ची क्यों कहा है? कवि के सारस के साथ उड़ने का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

अथवा

माँ की ईश्वर से मुलाकात हुई या नहीं
कहना मुश्किल है
पर वह जताती थी जैसे
ईश्वर से उसकी बातचीत होती रहती है
और उससे प्राप्त सलाहों के अनुसार
ज़िंदगी जीने और दुःख बरदाश्त करने के
रास्ते खोज लेती है।

(i) माँ किसके निर्देश पर चलती थी और क्यों? 2

(ii) कवि की माँ जिंदगी जीने और दुःख बरदाश्त करने के रास्ते कैसे खोज लेती हैं? 2

(iii) क्या माँ की ईश्वर से मुलाकात होती थी? 1

(ख) **परीक्षा के कठिन दिन :**

संकेत बिंदु :

- भूमिका,
- परीक्षा का स्वरूप,
- परीक्षा जीवन की कसौटी,
- परीक्षा की उपयोगिता,
- साहस और विवेक को प्रोत्साहन,
- उपसंहार

अथवा

(ग) **कंप्यूटर :**

संकेत बिंदु :

- कंप्यूटर क्या है,
- कंप्यूटर के लाभ,
- ज्ञान में वृद्धि,
- इंटरनैट का फैलता जाल,
- उपसंहार

17. आपका टेलिफोन गत पंद्रह दिन से खराब पड़ा है। क्षेत्रीय कार्यालय में शिकायत का कोई परिणाम नहीं निकला। 'हिंदुस्तान समाचार पत्र' के संपादक को पत्र द्वारा अपनी समस्या को प्रकाशित करने हेतु एक अनुरोध-पत्र लिखिए। 5

अथवा

परीक्षा में असफल हुए मित्र को पुन: अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए।

-oOo-